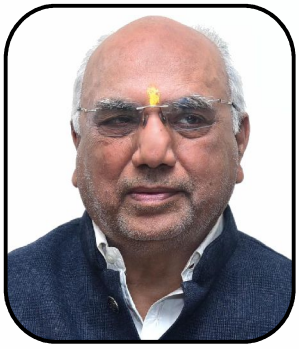

DR. VILAS GAJANANRAO DANGARE

Dr. Vilas Gajananrao Dangare is a famous homeopathic doctor who has led a highly disciplined and dedicated life. His clinic in Surendra Nagar is a known place for everyone. This clinic was never closed except in 2014 for some months when he suffered with cerebral infarction. He lost his vision in the same year. This incident did not deter his faith towards his work and his confidence. He kept serving people once he was alright. He treated many stalwarts including Shiv Sena Pramukh late Shri Balasaheb Thackeray, Union Minister Shri Nitin Gadkari, Chief Minister Shri Devendra Fadanvis, former MP Shri Vilas Muttemwar and many others.

2. Born on 4th November, 1952 in a small town called Chandurbazar, Dr. Dangare earned his degree from Nagpur Homoeopathic College. During that time, modern medical education was highly appealing, but he who had a deep sense of service from the beginning, chose a different path and embraced homeopathy. He completed his homeopathic education in 1976. He practiced for some time with his brother in law Dr. Prabhakar Bhoyar in his clinic near Ayachit Mandir and later opened his own clinic at Surendra Nagar.

3. While managing his profession, Dr. Dangare also engaged himself in social service. He fulfilled various responsibilities assigned to him by the RSS. He worked as Area Head of RSS for many years and currently holds the responsibility of being the Chairman of Shri Narkesari Publications, which runs the newspaper 'Tarun Bharat'. He was offered many prestigious positions and even invited to enter politics due to his popularity, but he politely declined to stay focused on his service work without any distractions. He mentored many young doctors in his Nagpur clinic and guided them to success.

4. Recently, Rashtrasant Tukadoji Maharaj Nagpur University honoured Dr. Dangare as its proud alumnus during the centenary celebrations.

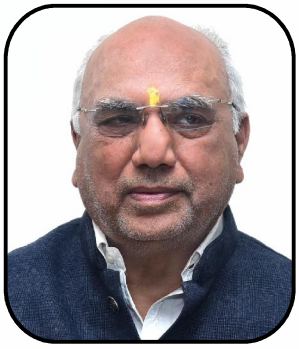

डॉ. विलास गजाननराव डांगरे

डॉ. विलास गजाननराव डांगरे एक प्रसिद्ध होम्योपैथिक डॉक्टर हैं, जिन्होंने बेहद अनुशासित और समर्पित जीवन जिया है। सुरेंद्र नगर में उनका क्लिनिक सभी के लिए जाना–पहचाना स्थान है। यह क्लिनिक कभी बंद नहीं हुआ, सिवाय वर्ष 2014 के कुछ महीनों के लिए जब वह मस्तिष्क रोधगलन रोग से पीड़ित हुए थे। उसी वर्ष उन्होंने अपनी दृष्टि खो दी थी। इस घटना ने उनके काम के प्रति उनके विश्वास और आत्मविश्वास को कम नहीं किया। ठीक होने के बाद भी वे लोगों की सेवा करते रहे। उन्होंने शिवसेना प्रमुख स्वर्गीय श्री बालासाहेब ठाकरे, केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री श्री देवेंद्र फडणवीस, पूर्व सांसद श्री विलास मुत्तेमवार और कई अन्य लोगों सहित कई दिग्गजों का इलाज किया है।

2. 4 नवंबर, 1952 को चंदूरबाजार नामक एक छोटे से कस्बे में जन्मे, डॉ. डांगरे ने नागपुर होम्योपैथिक कॉलेज से अपनी डिग्री हासिल की। उस समय आधुनिक चिकित्सा शिक्षा बहुत आकर्षक थी, लेकिन वह जो शुरू से ही सेवा की गहरी भावना रखते थे, ने एक अलग रास्ता चुना और होम्योपैथी को अपनाया। उन्होंने वर्ष 1976 में अपनी होम्योपैथिक शिक्षा पूरी की। उन्होंने कुछ समय तक अपने बहनोई डॉ. प्रभाकर भोयर के साथ अयाचित मंदिर के पास उनके क्लिनिक में प्रैक्टिस की और बाद में सुरेंद्र नगर में अपना खुद का क्लिनिक खोला।

3. अपने पेशे को संभालने के साथ–साथ डॉ. डांगरे समाज सेवा में भी लगे रहे। उन्होंने आरएसएस द्वारा सौंपी गई विभिन्न जिम्मेदारियों को पूरा किया। उन्होंने कई वर्षों तक आरएसएस के क्षेत्र प्रमुख के रूप में काम किया और वर्तमान में श्री नरकेसरी प्रकाशन के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, जो 'तरुण भारत' अखबार चलाता है। उन्हें उनकी लोकप्रियता के कारण कई प्रतिष्ठित पदों की पेशकश की गई और यहां तक कि राजनीति में आने का भी निमंत्रण दिया गया, लेकिन उन्होंने बिना विचलित हुए अपने सेवा कार्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए विनम्रतापूर्वक इनकार कर दिया। उन्होंने अपने नागपुर क्लिनिक में कई युवा डॉक्टरों को मार्गदर्शन दिया और उन्हें सफलता की ओर अग्रसर किया।

4. हाल ही में राष्ट्रसंत तुकादोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय ने शताब्दी समारोह के दौरान डॉ. डांगरे को अपने गौरवशाली पूर्व छात्र के रूप में सम्मानित किया।